भाजपा को झटका, पूर्व विधायक ने छोड़ी पार्टी

करनाल (म.मो.) : कृषि विधेयकों को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के दिलों से भी गुस्से के भाव बाहर आने लग गए हैं। बुधवार को रादौर से विधायक रह चुके श्याम सिंह राणा ने पार्टी का दामन छोड़ दिया। संभावना है कि राणा जल्द ही इंडियन नैशनल लोकदल के चश्मे को अपना सकते हैं। कुछ दिनों से कयास भी लगाए जा रहे थे कि श्याम सिंह राणा भाजपा को अलविदा कहने वाले हैं। राणा ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ को पार्टी की सदस्यता को त्यागने संबंधी पत्र भेज दिया। धनखड़ ने राणा का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। श्याम सिंह राणा ने अपने पत्र में लिखा है, मैं किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनका समर्थन करता हूं। अपने सभी पदों व पार्टी से इस्तीफा देता हूं। हकीकत यह है कि राणा बतौर विधायक लूट-मार का धंधा करता था। अपनही राईस मिल के लिये करोड़ों का धान खरीद कर आढ़तियों को पेमेंट तक नहीं करता था। लेकिन भाजपा ने इस बार इन हरकतों को देखते हुए टिकट काट दिया।

हरियाणा बाल महोत्सव 10 से, इस बार ऑनलाइन

करनाल, (म.मो): कोविड 19 की वजह से इस बार राज्यस्तरीय बाल महोत्सव ऑनलाइन होगा। महोत्सव 10 अक्टूबर से शुरू होगा। इसकी तैयारियों की समीक्षा बैठक हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के मानद महासचिव कृष्ण ढुल की अध्यक्षता में हुई। कृष्ण ढुल ने कहा कि प्रदेश में 10 अक्टूबर से विभिन्न आयु वर्गों के बच्चे सभी तरह की प्रतियोगिताओं में वीडियो बनाकर ऑनलाइन माध्यम से प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। राज्य स्तरीय बाल महोत्सव ऑनलाइन से जुड़ी जानकारी चाइल्ड वेलफेयर हरियाणा.कॉम पर प्राप्त कर सकते हैं और बाल भवन में भी सम्पर्क कर जानकारी ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार परिषद् का लक्ष्य है कि दो लाख से अधिक बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लें, जिससे बच्चों के अंदर छिपी बहुमुखी प्रतिभा निखर सके। इस अवसर पर सीनियर बाल कल्याण अधिकारी ओपी मेहरा, सरोज मलिक, पूनम सूद, मंडल बाल कल्याण अधिकारी प्रदीप मलिक, जिला बाल कल्याण अधिकारी विश्वास मलिक सहित सभी मंडल बाल कल्याण अधिकारी एवं जिला बाल कल्याण अधिकारी उपस्थित रहे।

करनाल चीनी मिल नवंबर में होगी चालू

करनाल (म.मो): करनाल सहकारी चीनी मिल नवंबर के पहले हफ्ते में चालू हो जाएगी। यह जानकारी चीनी मिल की एमडी अदिति ने किसानों को दी। उन्होंने एक बैठक में बताया कि मिल की मरम्मत का काम पूरे जोरशोर से चल रहा है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वह सीओ 0238 गन्ने का एरिया ज्यादा होने के कारण दूसरी अगौती किस्मों जैसे 0118 सीओएच 100 व सीओ 0239 की बिजाई पर जोर दें। गोष्ठी में गन्ने की फसल के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई तथा गन्ना प्रबनधक ने गन्ने की फसल में लगने वाले कीटों व बीमारियों के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जो किसान मिल में उपलब्ध गन्ना गर्म करने वाली मशीन से गन्ना गर्म करके बिजाई करेगा। उसको मिल द्वारा 2000 रूपये प्रति एकड़ अनुदान दिया जाएगा।

ऑडिटोरियम को ठेके पर देने का विरोध

करनाल (म.मो.): कांग्रेस ने मंगलसेन ऑडिटोरियम को ठेके पर देने के खिलाफ एडीसी अशोक गर्ग को ज्ञापन देकर इसे ठेके पर न देने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल की अगुआई जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह कर रहे थे। ज्ञापन में कहा गया कि करनाल एक साहित्यिक और सांस्कृतिक तथा कला को प्रश्रय देने वाली नगरी है। करनाल में पिछले कई दशक से ऑडिटोरियम की जरूरत महसूस की जा रही थी। पहले सरकार ने कालीदास रंगशाला तथा बाद में पंचायत एनडीआरआई का सभागार आम आदमी की पहुंच से बाहर कर दिया। इसके बाद मंगल सेन सभागार बनने के बाद लोगों की आकांक्षा पूरी हुई थी। सामाजिक, साहित्यिक और कलाकारों की संस्थाओं को तमाम कार्यक्रम करने का सस्ता स्थान मिला। लेकिन ठेके पर देने के बाद यह भी आम लोगों की पहुंच से बाहर हो जाएगा।

पीटीआई टीचरों से जुड़े 1 लाख लोगों पर संकट

करनाल (म.मो.): हरियाणा शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के बैनर तले बर्खास्त पीटीआई 108 दिनों से जिला सचिवालय के सामने धरने पर डटे हैं। बर्खास्त पीटीआई की मांग है कि सरकार उनकी नौकरी बहाल करे। प्रदेश में 1983 पीटीआई को बर्खास्त कर दिया गया, जिससे एक लाख से ज्यादा लोगों पर रोटी का संकट खड़ा हो गया है। बर्खास्त पीटीआई का कोई दोष नहीं था, मगर राजनीतिक द्वेष के चलते सरकार ने उनकी नौकरी छीन ली। बुधवार को धरने की अध्यक्षता कुलदीप राणा ने की।

क्रमिक अनशन पर अनिरूद्ध, स्नेहलता, चिराग बीसला, शिव कुमार गोंदर व यादविंद्र बैठे। इस मौके पर अध्यापक नेता कृष्ण निर्माण ने कहा कि सरकार ने शिक्षक वर्ग का अपमान किया है। पीटीआई को बिना वजह नौकरी से निकाल दिया। सरकार कर्मचारियों की नौकरियां छीनने का काम कर रही है। इस मौके पर समिति के जिला प्रधान संदीप बलड़ी ने कहा कि उम्मीद है कि सीएम पीटीआई के दर्द को समझते हुए उनकी नौकरी बहाल कर देंगे। 108 दिनों से धरने पर डटे बर्खास्त पीटीआई का दर्द और गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इस अवसर पर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के राज्य उपप्रधान जगतार सिंह, रोशनलाल गुप्ता, अशोक पांचाल, एसपी त्यागी, सेवा सिंह, राम कुमार, राजेश, मोहन, नरेश, सुखविंद्र सिंह, प्रदीप सांगवान, तेजबीर मान, नीलम, सुदेश, रीना व रानी मौजूद थे।

वॉर्ड 16 में गलियों को पक्का करने का काम शुरू

करनाल, (म.मो.) : शहर के वॉर्ड नम्बर-16 की न्यू बहादुर चंद कॉलोनी में पक्की गलियों के निर्माण का काम शुरू हो गया है। इसकी शुरुआत पार्षद रजनी प्रोचा ने किया। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने बताया कि 80 एमएम. मोटाई की मजबूत इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक टाइलों से गलियों का निर्माण किया जाएगा। इस कार्य में 4 गलियां बनाई जाएंगी, जिनमें 2 मेन गलियां और 2 कनेक्टिंग गलियां ली गई है, जिनकी कुल लम्बाई करीब डेढ़ किलोमीटर की रहेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्य पर अनुमानित 9 लाख 28 हजार रुपये खर्च होंगे और आगामी एक माह में इस काम को मुकम्मल कर लिया जाएगा।

इस मौके पर नगर निगम के सहायक अभियंता सुनील भल्ला, कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार, जशपाल वर्मा, निर्मल बहल, मोहन शर्मा, दीपक शर्मा, डिम्पल छाबड़ा, त्रिलोक नाथ व अशोक गुप्ता आदि मौजूद थे।

धान की सरकारी खरीद न होने पर किसान भड़के, कई मंडियों में प्रदर्शन

जे.के. शर्मा

इन्द्री (करनाल): धान की सरकारी खरीद न होने से किसानों का गुस्सा बाहर आने लगा है। हालांकि कृषि कानूनों के विरोध में हरियाणा के किसान जब सड़कों पर उतरे थे तो मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने खुद कहा था कि किसानों से एक-एक दाना खरीदेंगे।

इन्द्री इलाके के गांव घीड़ और ब्याना अनाज मंडी के बाहर किसानों ने सड़क जामकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनों का सिलसिला कई इलाकों में अभी भी जारी है। इन्द्री में अधिकारियों ने बड़ी मुश्किल से जाम न लगाने के लिए किसानों को मनाया। किसान सरकार की नीतियों से बेहद खफा हैं। किसानों के गुस्से को देखते हुए पुलिस व प्रशासन भी किसानों को मनाने में बेबस हो रहा है। किसानों ने करनाल-यमुनानगर मार्ग पर ब्याना व घीड़ के पास सड़क पर ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी कर जाम लगा दिया और सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जाम के कारण दूर तक सड़क पर वाहनों की कतारें लग गईं। जिस कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इन्द्री थाना प्रभारी और कुंजपुरा थाना प्रभारी दल बल सहित मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाया।

ब्याना अनाज मंडी के बाहर किसानों और आढ़तियों को संबोधित करते हुए मंडी प्रधान राजेश कलसौरा ने बताया कि सरकार द्वारा धान खरीद की घोषणा कागजी सिद्ध हो रही है। ब्याना अनाज मंडी के अधीन आने वाले किसानों का नाम तो 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल से ही गायब है। ये किसान कहां जाएंगे अपनी जीरी लेकर। इस मंडी में धान की कोई खरीद नहीं हो रही है। जिस कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 1509 धान की सरकारी खरीद नहीं थी, जिसे व्यापारियों द्वारा ओने-पौने दामों में खरीद कर किसानों की जेब काट ली गई। इस बार किसानों की उपज भी कम निकल रही है और रेट भी कम मिल रहा है। बारीक धान तो मंडियों में सरकार की एमएसपी से भी कम रेट पर बिक रहा है, जबकि सरकार मोटी जीरी का सरकारी मूल्य 1880 रुपये कुंतल तय किये घुम रही है।

उधर घीड़ गांव में किसानों ने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल को बंद कर किसानों का धान सीधे खरीदे जाने की मांग की। किसानों ने भाजपा को फिर से सत्ता में न लाने का ऐलान किया। इस मौके पर ड्यूटी मैजिस्ट्रेट नरेश शर्मा ने कहा कि घीड़ गांव में किसानों ने धान की खरीद न होने को लेकर जाम लगा दिया गया हैं। किसानों की समस्या को देखते हुए मार्केट कमेटी के सचिव से बात हो गयी है तथा जल्द ही धान की खरीद का कार्य शुरू किया जा रहा है। किसानों को किसी भी तरह की कोई भी परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

दूसरी तरफ इन्द्री की अनाज मंडी में धान की सरकारी खरीद को लेकर अधिकारियों व किसानों में टकराव हो गया और किसान जाम लगाने के लिए सड़क की तरफ बढ़े तो अधिकारियों ने धान खरीद शुरू करवा कर किसानों को जाम लगाने से रोकने में सफलता हासिल कर ली। किसान व आढ़ती पोर्टल पर मेरी फसल मेरा ब्योरा स्कीम के तहत धान की खरीद मुमकिन न होने तथा इस व्यवस्था को बंद कर आढ़तियों और किसानों के अनुरूप धान की खरीद करने की मांग कर रहे है।

सरकार का पोर्टल सिस्टम कर रहा तंग

करनाल (म.मो) :अखिल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महासचिव व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि जब सरकार किसान की फसल का एक-एक दाना खरीदने की बात कह रही है तो सरकार ने किसान को तंग करने के लिए पोर्टल सिस्टम क्यों लागू किया है। बार-बार पोर्टल की तकनीकी खराबी होने के कारण धान की खरीद प्रभावित हो रही है। सरकार को पोर्टल व्यवस्था हटानी चाहिए। अंबाला, कैथल, कुरुक्षेत्र,करनाल,सोनीपत, यमुनानगर,पानीपत जिले की मंडियां धान से भरी हुई हैं। किसान धान बेचने के लिए 10 दिनों से मंडियों में धक्के खा रहा है। किसान को शुरुआत में ही अपना धान बेचने में बड़ी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गर्ग ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों व तानाशाही फरमानों के कारण आज राइस मिलर, आढ़ती व किसान बर्बाद हो रहा है। मिलर, आढ़ती व किसानों की सरकार अनदेखी कर रही है। मिलिंग चार्ज का खर्चा लगभग 80 से 90 रुपये प्रति कुंतल आता है, लेकिन सरकार राइस मिलरों को 10 रुपये प्रति कुंतल मिलिंग चार्ज दे रही है, जो सरासर गलत है। सरकार को कम से कम 100 रुपये मीनिंग चार्ज करके मिलिंग चावल 67 किलो से घटाकर 64 किलो राइस मिलरों से लेना चाहिए।

राष्ट्रीय महासचिव बजरंग गर्ग ने हरियाणा व केंद्र सरकार से मांग की है कि तुरंत प्रभाव से राइस मिलरों की समस्या का समाधान किया जाए ताकि जो हजारों किसान अपनी जीरी बेचने के लिए मंडियों में बैठे हैं उनको तकलीफ ना हो। जब तक राइस मिलरों की समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक जीरी की खरीद व उठान कैसे होगा। सरकार को किसान, मिलरों व आढ़तियों से किए गए अपने वादे के अनुसार काम करना चाहिए जबकि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मिलों व आढ़तियों से बातचीत करके घोषणा की थी कि कपास व धान खरीद में आढ़ती, मिलर व किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी जबकि सरकार खरीद करने से पहले ही कह रही है कि कपास की खरीद आढ़तियों के बजाय सीसीआई एजेंसी सीधे खरीदेगी, जो उचित नहीं है। सरकार को अपने वादे के अनुसार किसान की फसल मंडी के आढ़तियों के माध्यम से ही खरीदनी चाहिए ताकि किसान व मिलरों को किसी प्रकार की दिक्कत ना आए।

मंडी में पंखे चलाने से मजदूरों का इन्कार

करनाल (म.मो.): घीड़ अनाजमंडी में मजदूरों ने बीमारी से बचने के लिए गुरुवार से धान की सफाई करने के लिए इलेक्ट्रिक पंखे चलाने से मना कर दिया है। घीड़ अनाजमंडी के मजदूरों की बैठक सुरेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई। सभी मजदूरों ने एक स्वर में कहा कि वह पंखा नहीं चलने देंगे। इस मौके पर भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश संगठन मंत्री जंग बहादुर यादव ने कहा कि पंखे से निकलने वाली पेस्टीसाइड से मजदूरों में अस्थमा, टीबी जैसी बीमारी जन्म ले रही हैं। मजदूर जो कमाई करते हैं वह डॉक्टर को दे देते हैं। यादव ने सीएमओ करनाल से निवेदन किया है कि सभी मजदूरों का एक्सरे करवाया जाए तथा उनको बीमारी से बचाया जाए। यदि पंखा बंद करने में कोई अड़चन डालेगा तो सारा काम बंद करके मजदूर हड़ताल पर चले जाएंगे। इस अवसर पर सुरेंद्र प्रधान, अरविंद, दलीप, रविंद्र, दिलीप, जितेंद्र, नरेश, जोगिंदर, विनोद, धर्मेंद्र, विजय, रमाकांत व संजय आदि मौजूद थे।